जग ऐवे नहींयो जोगी दा दीवाना

जग ऐवे नहींयो जोगी दा दीवाना,
पाला पौणाहारी जोगी नाल यारांना,
निमानिया दा मान रखदा पौणाहारी,
उचियाँ दी ओट रखदा है पौणाहारी,

पाप निवारण आया जोगी सब न तारण आया जोगी,
ताहियो चरना ते झुक्दा ज़माना,
जग ऐवे नहीं जोगी दा दीवाना,
निमानिया दा मान रखदा पौणाहारी,
उचियाँ दी ओट रखदा है पौणाहारी,

कष्ट कोई भी पैन न देवे थोड़ कोई भी रेहन न देवे,
दोवे हथा नाल लुटा न दा ो खजाना,
पाला पौणाहारी योगी नाल यारांना,
निमानिया दा मान रखदा पौणाहारी,
उचियाँ दी ओट रखदा है पौणाहारी,

सुन सागर हूँ देर न लाइये चल उठ दर्शन करके आइये.
मणि सागर हूँ देर न लाइये चल उठ दर्शन करके आइये
हाथो खिस जे न समा है सोहना जग ऐवे नई जोगी दा दीवाना,
निमानिया दा मान रखदा पौणाहारी,
उचियाँ दी ओट रखदा है पौणाहारी,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/8925/title/jag-eve-nhiyo-jogi-da-diwana-paala-paunahari-jogi-naal-yaarana

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |